BITTERGOURD- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Bitter Gourd seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Bitter Gourd seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Bitter Gourd seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Bitter Gourd Hybrid	**Mohini, Super Mohini, Harithwa**	**Chamma, SPS-04, Nanda, Nani, Nanu**	**Ramya, Super White, Pearl**	**Indus-Katahi, SPS-Katahi**	**Super Green, Maharaja, Super Green**	**BT-11, Divya, Diana, Jahnvi**						
Duration	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS						
Kharif	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes						
Rabi	Yes (140-150)	Yes (140-150)	Yes (140-150)	Yes (140-150)	Yes (140-150)	Yes (140-150)						
Spring	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes						
Source of Irrigation	Borewell	Borewell	Borewell	Borewell	Borewell	Borewell						

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/ Agro-climatic zone	A long warm period with 30-35^{0}C temperature is good for growth and fruit set. Minimum temperature should not be below 18^{0}C
2	Land/ Soil	Well drained sandy loams and alluvial soils. Soil Ph 5.5 to 6.5 is ideal.
3	Season. Sowing/planting time	Oct-Nov in south and central India. Jan-Feb/June-July in Maharashtra. April –May in hilly areas
4	Seed rate/ acre	750-800 g/ acre
5	Sowing/planting method.	canal method/ by staking method
6	Preparation of Main field and planting	Apply 10 tones of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. * Form sowing canals * Apply basal dose of fertilizers in sowing canals and cover the fertilizer * Irrigate the field two day prior to sowing. * Dibble two seed per hill, immediately give light irrigation for quick and better Germination.
7	Spacing	Row to Row(canal) 180-200 cm; Plant to plant: 45cm-ground.150 cm. between rows 30 cm between plants-staked with bamboo stakes and trailed vertically
8	Seed treatment before sowing	Seed is treated with Captan 2 g/kg
9	Manures and Fertilizers/ acre	* Basal dose before sowing : 30:40:40 Kg NPK * First top dressing 30 days after sowing: 30kg N * Second top dressing after first pick : 25 kg N
10	Irrigation schedule	Irrigate field depending on soil type .light and frequent irrigation once in 5-6days interval. Ensure sufficient moisture at root zone especially during flowering fruit stage
11	Weeding/ inter cultivation	Two hand weeding is required. Keep plots free of weed. Earthing up at 30 and 60 days after sowing.
12	Micronutrient/growth regulator sprays	Spray multiplex 1g/litre during fruiting stage Micronutrient 1g/litre during flowering period
13	Pest and Disease control	Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter) or Chlorothalonil 75% WP 1.0 ml/Liter Downy mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Leaf miner: Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre), Red pumpkin beetle: Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/litre) Thrips /Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) Fusarium Wilt: Drench with Carbendazim (1gm/litre) Fruit fly: Use pheromone traps. Delta mithrin 1ml/litre For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officers.
14	Harvest	Fruits ready for harvest 80-90 DAS. Harvest tender fruits once in 3 days.
15	Expected yield	Yields 10-15 t fruits from a well managed crop under ideal conditions
17	Storage	Harvest early in the morning. Keep it under shade to market within 5-7 days. Store in a cool place (12-13°C, 85-90% relative humidity) to extend storage life by 2-3 weeks
18	Don't Do	Excessive pruning. Close planting and less spacing between row to row
19	Do's	Provide adequate watering. Harvest at the right maturity stage (not too small or overripe)
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

करेले का खेती का तरीका

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार के बेहतरीन करेला बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल के पास उच्च गुणवत्ता वाले करेला बीज उत्पादन का व्यापक अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के करेला बीज उच्च अंकुरण और मजबूत विकास के साथ जैविक और अजैविक तनाव सहन करने में सक्षम हैं।
बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड करेला	हाइब्रिड. हरिया, मोहिनी, सुपर मोहिनी	८४ के, हाइब्रिड. छम्मा, हाइब्रिड. एसपीएस-०४, नंदा, नानी, नानू	हाइब्रिड. रम्या, हाइब्रिड. सुपर व्हाइट, पर्ल	इंडस-कटाही, एसपीएस-कटाही	बादशाह, हाइब्रिड. सुपर ग्रीन, महाराजा	बॉटी-११, दिव्या, हाइब्रिड. डायना, जान्हवी						
अवधि	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS						
खरीफ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ						
रबी	हाँ (140-150)	हाँ (140-150)	हाँ (140-150)	हाँ (140-150)	हाँ (140-150)	हाँ (140-150)						
वसंत	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ						
सिंचाई का स्रोत	बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल						

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	30–35°C तापमान वाले लंबे गर्म दिन पौधों की वृद्धि और फल लगने के लिहाज से बेहतर होते हैं। तापमान कम से कम 18° C होना चाहिए
2	भूमि/ मिट्टी	अच्छी जल निकासी वाली रेत-युक्त दोमट और तलछट मिट्टी। आदर्श मिट्टी का pH 5.5–6.5 होना चाहिए।
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	दक्षिण और मध्य भारत के लिए अक्टूबर-नवंबर। महाराष्ट्र के लिए जनवरी-फ़रवरी और जून-जुलाई। पहाड़ी इलाकों के लिए अप्रैल से मई
4	प्रति एकड़ बीज की मात्रा	750–800 ग्राम/एकड़
5	बुवाई/रोपाई का तरीका।	नहर के माध्यम से / खंभे लगाकर
6	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	गोबर की 10 टन सड़ी हुई खाद डालें और जुताई करें ताकि यह मिट्टी में मिल जाए। * बीज बोने के लिए चैनल बनाएँ * बुवाई चैनलों में आधार खुराक के रूप में उर्वरक डालें और मिट्टी से ढक दें। * बीज बोने से दो दिन पहले खेत में पानी दें। * हर मेड़ पर दो बीज बोएँ और तुरंत थोड़ा पानी से सिंचाई करें, जिससे बीज तेज़ी से अंकुरित हों।
7	पौधों के बीच दूरी	लाइन से लाइन (चैनल) 180–200 सेमी; प्रत्येक पौधे की दूरी 45 सेमी – जमीन पर, पंक्तियों के बीच 150 सेमी; पौधों के बीच 30 सेमी – बांस के स्टेक से सहारा देकर ऊपर की ओर चढ़ाएं
8	बुआई से पहले बीज उपचार	बीज पर कैप्टन 2 ग्राम प्रति किग्रा का छिड़काव करें
9	जैविक और रासायनिक उर्वरक / एकड़	* बीज बोने से पहले आधार खुराक: 30:40:40 किग्रा NPK * बुवाई के 30 दिन बाद पहली टॉप ड्रेसिंग: 30 किग्रा नाइट्रोजन * पहली फसल कटाई के बाद दूसरी टॉप ड्रेसिंग: 25 किग्रा नाइट्रोजन
10	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी के अनुसार खेत की सिंचाई करें। 5–6 दिन के अंतराल पर हल्की और नियमित सिंचाई दें। फूल और फल बनने के दौरान जड़ों के पास पर्याप्त नमी सुनिश्चित करें
11	गुड़ाई और खेत की बीच-बीच में जुताई	दो बार हाथ से खरपतवार निकालना जरूरी है। खेत में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें। 30 और 60 दिन के बाद पौधों के आसपास मिट्टी भरें।
12	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	फलों के विकास के दौरान 1 ग्राम/लीटर मल्टीप्लेक्स का छिड़काव करें और फूल लगने के समय 1 ग्राम/लीटर पोषक तत्वों का छिड़काव करें
13	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	पाउडरी मिल्ड्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) या क्लोरोथैलोनिल 75% WP (1.0 मि.ली./लीटर) डाउनि मिल्ड्यू: टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (प्रति लीटर 0.5–1 ग्राम) पत्ती खाने वाले कीट: एबामेक्टिन 1.8% EC (0.5–1 मिली/लीटर) रेड पंपकिन बीटल: डेल्टामैथ्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) थ्रिप्स और एफिड: फ्लोनिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) फ़्यूज़ेरियम वील्ट: कार्बेन्डाज़िम (1 ग्राम/लीटर) से मिट्टी का उपचार करें फ्रूट फ़्लाई: फेरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें। 1 मिली/लीटर दर से डेल्टामैथ्रिन का छिड़काव करें
14	फसल काटना	80–90 दिन (DAS) में फल कटाई योग्य हो जाते हैं। कोमल फलों को तीन दिन के अंतराल पर तोड़ें।
15	अनुमानित उपज	सही प्रबंधन और अनुकूल परिस्थितियों में 10–15 टन फल की उपज संभव है
17	भंडारण	फलों को सुबह के समय तोड़ें। फसल को छाया में रखें और 5–7 दिन के अंदर इसे बेच दें। इसे ठंडी जगह पर (12–13°C, 85–90% नमी) रखें ताकि भंडारण जीवन 2–3 सप्ताह बढ़ सके
18	क्या न करें	ज्यादा काट-छांट करना। पौधों को एक-दूसरे के नजदीक लगाना और पंक्तियों के बीच कम दूरी रखना
19	क्या करें	पौधों को पर्याप्त पानी दें। सही परिपक्वता अवस्था में फसल की कटाई करें (बहुत छोटी या अधिक पकी न हो)
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

કારેલા –ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ કારેલાના બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ક્રિસ્ટલને ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા કારેલાના બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો નક્કર અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ક્રિસ્ટલના કારેલાના બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે. સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

કારેલાનું હાઇબ્રિડ	હાઇબ્રિડ.હરિત્વા, મોહિની,સુપર મોહિની	૮૪ કે,હાઇબ્રિડ. છામ્યા,હાઇબ્રિડ. એસપીએસ-૦૪,નંદા, નાની,નાનૂ	હાઇબ્રિડ.રામ્યા, હાઇબ્રિડ.સુપર વ્હાઇટ, પર્લ	ઇડસ-કટાહી, એસપીએસ-કટાહી	બાદશાહ,હાઇબ્રિડ. સુપર ગ્રીન, મહારાજા	બીટી-૧૧,દિવ્યા, હાઇબ્રિડ.ડાયના, જાન્હવી						
સમયગાળો	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS						
ખરીફ	હા	હા	હા	હા	હા	હા						
રાબી	હા (140-150)	હા (140-150)	હા (140-150)	હા (140-150)	હા (140-150)	હા (140-150)						
વસંત	હા	હા	હા	હા	હા	હા						
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ						

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	30-35 ડિગ્રી સેલ્સિયસ તાપમાન સાથે લાંબો ગરમ સમયગાળો વૃદ્ધિ અને ફળના સેટિંગ માટે સારો છે. લઘુત્તમ તાપમાન 180 સેલ્સિયસથી ઓછું ન હોવું જોઈએ
2	જમીન / માટી	સારા પાણીના નિકાલવાળી રેતાળ લોમ અને કાંપવાળી જમીન. માટીનું Ph 5.5 થી 6.5 આદર્શ છે.
3	ઋતુ. વાવણી/વાવેતરનો સમય	દક્ષિણ અને મધ્ય ભારતમાં ઓક્ટોબર-નવેમ્બર. મહારાષ્ટ્રમાં જાન્યુઆરી-ફેબ્રુઆરી/જૂન-જુલાઈ. પર્વતીય વિસ્તારોમાં એપ્રિલ-મે
4	બીજ દર/એકર	750-800 ગ્રામ/એકર
5	વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ.	નહેર પદ્ધતિ / સ્ટેકિંગ પદ્ધતિ દ્વારા
6	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	10 ટન વિઘટિત છાણિયું ખાતર નાખો અને ત્યારબાદ જમીનમાં ભેળવીને કાપણી કરો. * વાવણી નહેરો બનાવો * વાવણી નહેરોમાં ખાતરનો મૂળ માત્રા આપો અને ખાતરને ઢાંકી દો. * વાવણીના બે દિવસ પહેલા ખેતરમાં પાણી આપો. * ઝડપી અને સારા અંકુરણ માટે દરેક ટેકરી પર બે બીજ ખોદીને તરત જ હળવું પાણી આપો.
7	અંતર	લાઈન થી લાઈન (નહેર) 120-150 સેમી; છોડથી છોડ: 45 સેમી-જમીન. લાઈનો વચ્ચે 150 સેમી. છોડ વચ્ચે 30 સેમી-વાંસના દાંડાથી દાંડી લગાવેલા અને ઊભી રીતે પાછળ રાખેલા
8	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	બીજને કેપ્ટન 2 ગ્રામ/કિલોગ્રામ સાથે માવજત કરવામાં આવે છે.
9	ખાતર અને ખાતરો/એકર	* વાવણી પહેલાં મૂળભૂત માત્રા: 30:40:40 કિગ્રા NPK * વાવણી પછી 30 દિવસ પછી પહેલું ટોપ ડ્રેસિંગ: 30 કિલો N * પ્રથમ ચૂંટણી પછી બીજું ટોપ ડ્રેસિંગ: 25 કિલો N
10	સિંચાઈ સમયપત્રક	જમીનના પ્રકાર પ્રમાણે ખેતરમાં સિંચાઈ કરો. 5-6 દિવસના અંતરે હળવું અને વારંવાર સિંચાઈ કરો. ખાસ કરીને ફૂલોના ફળના તબક્કા દરમિયાન મૂળ વિસ્તારમાં પૂરતો ભેજ સુનિશ્ચિત કરો.
11	નીંદણ/આંતરખેતી	બે હાથે નીંદણ કાપવું જરૂરી છે. પ્લોટને નીંદણ મુક્ત રાખો. વાવણી પછી 30 અને 60 દિવસે માટી ખોદવી.
12	સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	ફળ આવવાના તબક્કા દરમિયાન મલ્ટિપ્લેક્સમાં 1 ગ્રામ/લિટર છંટકાવ કરો, ફૂલોના સમયગાળા દરમિયાન સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો 1 ગ્રામ/લિટર
13	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	પાવડરી ફૂગ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% ડબલ્યુજી (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) અથવા ક્લોરોથાલોનિલ 75% ડબલ્યુપી 1.0 મિલી/લિટર તરછોડ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) પાન ખાણિયો: એબામેક્ટીન 1.8% EC (0.5 થી 1 મિલી/લિટર), લાલ કોળાની ભમરી: ડેલ્ટામેથ્રિન 5.56% SC સાથે (0.5 મિલી/લિટર) થ્રિપ્સ/મોલો મચ્છર: ફ્લોનીકામિડ 50% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર) ફ્યુઝેરિયમ વિલ્ટ: કાર્બેન્ડાઝીમ (1 ગ્રામ/લિટર) સાથે બીજવો ફળમાખી: ફેરોમોન ફાંસોનો ઉપયોગ કરો. ડેલ્ટા મિથ્રિન 1 મિલી/લિટર ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.
14	લણણી	લણણી માટે તૈયાર ફળો 80-80 DAS. દર 3 દિવસે એકવાર કોમળ ફળો કાપો.
15	અપેક્ષિત ઉપજ	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં સારી રીતે સંચાલિત પાકમાંથી 10-15 ટન ફળો મળે છે.
17	સંગ્રહ	વહેલી સવારે કાપણી કરો. 5-7 દિવસમાં બજારમાં લાવવા માટે તેને છાંયડામાં રાખો. સ્ટોરેજ આયુષ્ય 2-3 અઠવાડિયા સુધી વધારવા માટે ઠંડી જગ્યાએ (12-13°C, 85-90% સંબંધિત ભેજ) સ્ટોર કરો.
18	ના કરો	વધુ પડતી કાપણી. વાવણી બંધ કરો અને હરોળથી હરોળ વચ્ચે ઓછું અંતર રાખો
19	શું કરવું	પૂરતું પાણી આપો. પાકવાની યોગ્ય અવસ્થાએ કાપણી કરો (ખૂબ નાની કે વધુ પાકેલી નહીં)
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

कारले - पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील सर्वोत्तम कारले बियाण्यांपैकी एक बियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे कारले बियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे बियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे बियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच बियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या कारले बियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.
उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

कारले हायब्रीड	हाइब्रिड. हरित्वा, मोहिनी, सुपर मोहिनी	८४ के, हाइब्रिड. छम्मा, हाइब्रिड. एसपीएस-०४, नंदा, नानी, नानू	हाइब्रिड. राम्या, हाइब्रिड. सुपर व्हाइट, पर्ल	इंडस-कटाही, एसपीएस-कटाही	बादशाह, हाइब्रिड. सुपर ग्रीन, महाराजा	बीटी-११, दिव्या, हाइब्रिड. डायना, जान्हवी						
कालावधी	130-140 दिवसानंतर	130-140 दिवसानंतर	130-140 दिवसानंतर	130-140 दिवसानंतर	130-140 दिवसानंतर	130-140 दिवसानंतर						
खरीप	होय	होय	होय	होय	होय	होय						
रब्बी	होय (140-150)	होय (140-150)	होय (140-150)	होय (140-150)	होय (140-150)	होय (140-150)						
वसंत ऋतु	होय	होय	होय	होय	होय	होय						
सिंचनाचा स्रोत	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल						

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती	कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन
1	क्षेत्राची योग्यता/कृषी-हवामान क्षेत्र	वाढीसाठी आणि फळधारणेसाठी 30-35^0 सेल्सिअस तापमान असणारा दीर्घ उबदार कालावधी चांगला असतो. किमान तापमान 18^0 सेल्सिअसपेक्षा कमी नसावे
2	जमीन/ माती	चांगला निचरा होणारी वालुकामय चिकणमाती आणि गाळयुक्त माती. आदर्श मातीचा सामू (pH) 5.5 ते 6.5 आहे.
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ	दक्षिण आणि मध्य भारतात ऑक्टोबर-नोव्हेंबर. महाराष्ट्रात जानेवारी-फेब्रुवारी/जून-जुलै. डोंगराळ भागात एप्रिल-मे
4	बियाण्याचा दर/एकर	750-800 ग्रॅम/एकर
5	पेरणी/लागवडीची पद्धत	कालवा पद्धत / पाटामधून पाणी
6	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	10 टन कुजलेले शेणखत टाका आणि नंतर जमिनीत व्यवस्थित मिसळा. पेरणीसाठी पाट तयार करा * पेरणीच्या कालव्यांमध्ये खतांचा मूलभूत डोस द्या आणि सगळीकडे खत नीट पसरूदे. * पेरणीपूर्वी दोन दिवस आधी शेताला पाणी द्या. * प्रत्येक सरीवर दोन बियाणे टोचा, पीक भरभर आणि चांगले उगवण्यासाठी लगेच थोडे पाणी द्या.
7	अंतर	प्रत्येक वाफ्यामध्ये (कालवा) 180-200 सेमी; प्रत्येक रोपादरम्यान: 45 सेमी-जमिनीवर. वाफ्यामध्ये 150 सेमी अंतरावर बांबूच्या खांबांना बांधलेल्या आणि उभ्या लगडलेल्या रोपांमध्ये 30 सेमी अंतरावर
8	पेरणीपूर्वी बियाणांवर प्रक्रिया	बियाण्यांवर कॅप्टन 2 ग्रॅम/किलो या प्रमाणात प्रक्रिया केली जाते.
9	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते/ एकर	* पेरणीपूर्वी मूलभूत डोस: 30:40:40 किलो NPK * पेरणीनंतर 30 दिवसांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 30 किलो नत्र * पहिल्या वेचणीनंतर दुसरे टॉप ड्रेसिंग: 25 किलो नत्र
10	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 5-6 दिवसांच्या अंतराने एकदा थोडे आणि सतत पाणी द्या. फळधारणेच्या अवस्थेत, मुळांच्या भागात पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करा.
11	खुरपणी/ आंतरमशागत	दोन हातांनी खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. पेरणीनंतर 30 आणि 60 दिवसांनी माती भरणे.
12	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	फळधारणेच्या काळात मल्टीप्लेक्समध्ये 1 ग्रॅम/लिटर फवारणी करा. फुलाची कळी येण्याच्या काळात सूक्ष्म पोषक घटक 1 ग्रॅम/लिटर फवारणी करा.
13	कीटक आणि रोग नियंत्रण	भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) किंवा क्लोरोथालोनिल 75% पाण्यातील प्रमाण 1.0 मिली/लिटर तंतू-भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) पाने खाणारी अळी: अबामेक्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर), तांबडा भुंगेरा: डेल्टामेथ्रिन 5.56% SC भा/आ (0.5 मिली/लिटर) फुलकिडे/मावा: फ्लोनिकामिड 50% भा/आ (0.5 ग्रॅम/लिटर) मर रोग: कार्बेन्डाझिम (1 ग्रॅम/लिटर) सह आंबवा फळमाशी: फेरोमोन सापळे वापरा डेल्टा मिथ्रिन 1 मिली/लिटर
14	कापणी	80-90 दिवसांत कापणीसाठी फळे तयार होतात. दर 3 दिवसांनी एकदा कोवळ्या फळांची कापणी करा.
15	अपेक्षित उत्पन्न	आदर्श परिस्थितीत चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकामधून 10-15 टन फळे मिळतात.
17	साठवणूक	सकाळी लवकर कापणी करा बाजारात नेण्यापूर्वी 5-7 दिवस सावलीमध्ये ठेवा. साठवण केलेले पीक 2-3 आठवडे आणखी टिकण्यासाठी थंड जागी (12-13°सेल्सियस, 85-90% सापेक्ष आर्द्रता) साठवा.
18	करू नका	प्रमाणाबाहेर वाढणाऱ्या फांदीची छाटणी करा. लागवड जवळ जवळ करा आणि वाफ्यांमधले अंतर कमी करा
19	करा	पुरेसे पाणी द्या. योग्य परिपक्वतेच्या टप्प्यावर कापणी करा (खूप लहान किंवा जास्त पिकलेले नसावे)
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.	
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.	

ಹಾಗಲಕಾಯಿ - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳ ಪ್ಯಾಕೇಜ್

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದಿಂದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಹಾಗಲಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಹಾಗಲಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಗಟ್ಟಿಯಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ಸ್ ಹಾಗಲಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ.
ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಹಾಗಲಕಾಯಿ	ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಹರಿತ್ವಾ, ಮೋಹಿನಿ, ಸೂಪರ್ ಮೋಹಿನಿ	೮೪ ಕೆ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಛಮ್ಮಾ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಎಸ್‌ಪಿಎಸ್-೦೪, ನಂದಾ, ನಾನಿ, ನಾನು	ಹೈಬ್ರಿಡ್. ರಮ್ಯ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಸೂಪರ್ ವೈಟ್, ಪರ್ಲ್	ಇಂಡಸ್-ಕಟಾಹಿ, ಎಸ್‌ಪಿಎಸ್-ಕಟಾಹಿ	ಬಾದಷಾ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಸೂಪರ್ ಗ್ರೀನ್, ಮಹಾರಾಜ	ಬಿಟಿ-೧೧, ದಿವ್ಯಾ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಡಯಾನಾ, ಜಾನ್ವಿ						
ಅವಧಿ	130-140 ದಿನಗಳು	130-140 ದಿನಗಳು	130-140 ದಿನಗಳು	130-140 ದಿನಗಳು	130-140 ದಿನಗಳು	130-140 ದಿನಗಳು						
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು						
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು (140-150)	ಹೌದು (140-150)	ಹೌದು (140-150)	ಹೌದು (140-150)	ಹೌದು (140-150)	ಹೌದು (140-150)						
ವಸಂತ	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು						
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್						

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	30-35^{0}C ತಾಪಮಾನದೊಂದಿಗೆ ದೀರ್ಘ ಬೆಚ್ಚಗಿನ ಅವಧಿಯು ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಹಣ್ಣು ಬರಲು ಉತ್ತಮವಾಗಿದೆ. ಕನಿಷ್ಠ ತಾಪಮಾನವು 18^{0}C ಗಿಂತ ಕೆಳಗಿರಬಾರದು
2	ಭೂಮಿ/ ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ಒಳಚರಂಡಿ ಹೊಂದಿದ ಮರಳು ಲೋಮಿ ಮತ್ತು ಮೆಕ್ಕಲು ಮಣ್ಣುಗಳು. ಮಣ್ಣಿನ Ph 5.5 ರಿಂದ 6.5 ಸೂಕ್ತವಾಗಿರುತ್ತದೆ.
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ದಕ್ಷಿಣ ಮತ್ತು ಮಧ್ಯ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಅಕ್ಟೋಬರ್-ನವೆಂಬರ್. ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಜನವರಿ-ಫೆಬ್ರವರಿ/ಜೂನ್-ಜುಲೈ. ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಏಪ್ರಿಲ್ – ಮೇ (ತಿಂಗಳಲ್ಲಿ)
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ/ ಎಕರೆಗೆ	750-800 g/ ಎಕರೆ
5	ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	ಕಾಲುವೆ ವಿಧಾನ/ ಕಂಬದ ವಿಧಾನದಿಂದ
6	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	10 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅನ್ನು ಹಾಕಿ ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಲು ಹ್ಯಾರೋಯಿಂಗ್ ಮಾಡಿ. ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸಿ ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳಲ್ಲಿ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಮುಚ್ಚಿ ಬಿತ್ತನೆಯ ಎರಡು ದಿನ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ.
7	ಅಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ(ಕಾಲುವೆ) 180-200 cm; ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ: 45cm-ನೆಲ.150 cm. ಸಾಲುಗಳ ನಡುವೆ 30 cm ಗಿಡಗಳ ನಡುವೆ-ಬಿದಿರಿನ ಕಂಬಗಳಿಂದ ಕಂಬ ಹಾಕಿ ಮತ್ತು ಲಂಬವಾಗಿ ಬೆಳೆಸಲಾಗುತ್ತದೆ
8	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಬೀಜವನ್ನು ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ 2 g/kg ನೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ
9	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು/ ಎಕರೆ	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣ: 30:40:40 Kg NPK ಮೊದಲ ಮೇಲ್ಗೊಬ್ಬರ ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ: 30kg N ಎರಡನೇ ಮೇಲ್ಗೊಬ್ಬರ ಮೊದಲ ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರ: 25 kg N
10	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. 5-6 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ ಒಮ್ಮೆ ಲಘು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ ನೀರಾವರಿ. ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಹೂಬಿಡುವ ಹಣ್ಣಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಬೇರಿನ ವಲಯದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ
11	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ. ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ಮತ್ತು 60 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವುದು.
12	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಹಣ್ಣಾಗುವ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಮಲ್ಟಿಪ್ಲೆಕ್ಸ್ 1g/ಲೀಟರ್ ಸಿಂಪಡಿಸಿ ಹೂಬಿಡುವ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶ 1g/ಲೀಟರ್
13	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಪುಡಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲೋಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 gm ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಕ್ಲೋರೊಥಾಲೊನಿಲ್ 75% WP 1.0 ml/ಲೀಟರ್ ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಎಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟ: ಅಬಾಮೆಕ್ಟಿನ್ 1.8% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್), ಕೆಂಪು ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಜೀರುಂಡೆ: ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 5.56% w/w SC (0.5 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್) ಥ್ರಿಪ್ಸ್/ಗಿಡಹೇನುಗಳು: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಫ್ಯೂಸೇರಿಯಮ್ ಬಾಡುವಿಕೆ: ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ (1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ನೊಂದಿಗೆ ನೆನೆಸಿ ಹಣ್ಣಿನ ನೊಣ: ಫೆರೋಮೋನ್ ಬಲೆಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ. ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ
14	ಕೊಯ್ಲು	ಹಣ್ಣುಗಳು 80-90 ದಿನಗಳು ನಲ್ಲಿ ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತವೆ. 3 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಎಳೆ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಯಿರಿ.
15	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಸೂಕ್ತವಾದ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಳೆಯಿಂದ 10-15 ಟನ್ ಹಣ್ಣುಗಳ ಇಳುವರಿ
17	ಶೇಖರಣೆ	ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಬೇಗನೆ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ. 5-7 ದಿನಗಳೊಳಗೆ ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗೆ ತರಲು ಅದನ್ನು ನೆರಳಿನಲ್ಲಿ ಇರಿಸಿ. ಶೇಖರಣಾ ಅವಧಿಯನ್ನು 2-3 ವಾರಗಳವರೆಗೆ ವಿಸ್ತರಿಸಲು ತಂಪಾದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ (12-13°C, 85-90% ಸಾಪೇಕ್ಷ ಆರ್ದ್ರತೆ) ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ
18	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಅತಿಯಾದ ಕತ್ತರಿಸುವಿಕೆ. ಸಮೀಪದಲ್ಲಿ ಸಸಿಗಳನ್ನು ನೆಡುವುದು ಮತ್ತು ಸಾಲುಗಳ ನಡುವೆ ಅಂತರವನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡುವುದು
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	ಸಾಕಷ್ಟು ನೀರು ಒದಗಿಸಿ. ಸರಿಯಾದ ಪಕ್ವತೆಯ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ (ತುಂಬಾ ಚಿಕ್ಕದಾಗಿ ಅಥವಾ ಅತಿಯಾಗಿ
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	

కాకరకాయ- పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన కాకరకాయ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన కాకరకాయ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ కాకరకాయ విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.

అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ కాకరకాయ	**మోహిని , హరిత్వ , సూపర్ మోహిని**	**నంద, నాని , నాను , SPS 04, 84 K , చమ్**	**రమ్య , సూపర్ వైట్ , పర్ల్**	**ఇండస్ కటాహి , SPS కటాహి**	**బాదుషా , సూపర్ గ్రీన్, మహారాజా**	**BT -11, డయానా , దివ్యా , ధూనవి**						
కాలము పరిమితి	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DA	130-140 DAS	130-140 DAS						
ఖరీఫ్	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును						
రబీ	అవును (140-150)	అవును (140-150)	అవును (140-150)	అవును (140	అవును (140-150)	అవును (140-150)						
వసంత కాలము	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును						
నీటి పారుదల వనరు	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి						

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	ఎదుగుదల మరియు పళ్ళ ఏర్పడడానికి 30-35^{0}C ఉష్ణోగ్రతల మధ్య దీర్ఘమైన వెచ్చని కాలము మంచిది. కనిష్ఠ ఉష్ణోగ్రత 18^{0}C కన్నా క్రింద వుండకూడదు
2	భూమి/మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక లోమీ మరియు ఒండ్రు మట్టి నేలలు. మట్టి Ph 5.5 నుంచి 6.5 మధ్య అనుకూలము.
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	దక్షిణ మరియు సెంట్రల్ భారతదేశములో అక్టోబర్-నవంబర్ లో. మహారాష్ట్రాలో జనవరి-ఫిబ్రవరి/జూన్-జులైలో. కొండ ప్రాంతాలలో ఏప్రిల్-మేలో
4	ఎకరానికి/విత్తనము రేట్	ఎకరానికి/750-800 గ్రాములు
5	విత్తే/నాటే పద్ధతి.	కాలువ పద్ధతి/స్టేకింగ్ పద్ధతి ద్వారా
6	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన ఎఫ్వైఎం 10 టన్నులు అప్లై చేయండి తరవాత దుక్కి దున్నడము వలన అది మట్టిలో బాగా కలుస్తుంది. *నాటే కాలువల్లను ఏర్పాటు చేయండి *నాటే కాలువల్లో ఫర్టిలైజర్ల బేసల్ డోస్ అప్లై చేయండి మరియు ఫర్టిలైజరుని కవర్ చేయండి *విత్తడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీటిని పెట్టండి. *గుంటకి రెండు విత్తనాలు పెట్టండి, త్వరగా మరియు మెరుగుగా మొలకెత్తడము కోసం వెంటనే తేలికగా నీటిని పెట్టండి.
7	ఖాళీ ఇవ్వడము	రో నుంచి రో (కాలువ) 180-200 cm; మొక్క నుంచి మొక్క 45cm-భూమికి. రో ల మధ్య 150 cm. మొక్కల రోలను 30 cm దూరములో వెదురు-స్టేక్ చేయాలి మరియు నిలువగా క్రాయిల్ చేయాలి
8	విత్తే ముందు విత్తనమును శుద్ధి చెయడము	విత్తనాలను కిలో/2 గ్రాముల కాప్టాన్ తో శుద్ధి చేయాలి
9	ఎకరానికి/ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	*విత్తే ముందరి బేసల్ డోస్: 30:40:40 కిలోల NPK *మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్ విత్తడము తరవాత 30 రోజులకి: 30 కిలోల N *రెండవ టాప్ డ్రెస్సింగ్ మొదటగా పిక్ చేసిన తరవాత: 25 కిలోల N
10	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మట్టి రకమును బట్టి పొలముకి నీరు పెట్టండి. 5-6 రోజులకి ఒకసారి తేలికగా మరియు తరచుగా నీటిని పెట్టండి. పళ్ళకి పూలు వచ్చే దశలో మొక్కల వేళ్ళ దగ్గర సరిపడిన తేమ వుండేలా ధృవీకరించుకోండి
11	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత కల్టివేషన్	చేతితో కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ప్లాట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి. విత్తిన 30 మరియు 60 రోజుల తరవాత మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టిని ఎత్తు చేయండి.
12	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	పళ్ళు వచ్చే దశలో మల్టిప్లెక్స్ లీటరు/1గ్రా పూలు వచ్చే దశలో సూక్ష్మపోషకము లీటరు/1గ్రా పిచికారీ చేయండి
13	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	బూడిద తెగులు: కెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) లేదా క్లోరోథానిల్ 75% WP లీటరు/1.0 ml డౌనీ బూజు తెగులు: కెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) ఆకు తొలుచు పురుగు: అబామెక్టిన్ 1.8% EC (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 ml), ఎర్ర గుమ్మడి పెంకు పురుగు: డెల్టామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (లీటరు/0.5 ml) తామర పురుగు/ పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 ml) ఫ్యుజారియమ్ ఎండు తెగులు: కార్బెండాజిమ్ తో డ్రెంచ్ చేయండి (లీటరు/1 గ్రా) పండు ఈగ: ఫెరమోన్ ట్రాప్లను ఉపయోగించండి. డెల్టా మిథ్రిన్ లీటరు/1ml పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసర్లను సంప్రదించండి.
14	కోత	పళ్ళు కోతకి 80-90 DASకి సిద్ధముగా వుంటాయి. 3 రోజులకి ఒకసారి లేత పళ్ళను కోయండి.
15	ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో బాగా మేనేజ్ చేసిన పంట 10-15 టన్నుల పళ్ళ దిగుబడిని ఇస్తుంది
17	స్టోర్ చేయడము	ఉదయ కాలములో త్వరగా కోత కోయండి. కోత తరవాత నీడలో వుంచండి 5-7 రోజులలో మార్కెట్లో అమ్మండి. చల్లని ప్రదేశములో స్టోర్ చేయండి (12-13°C, 85-90% రిలేటివ్ తేమ వుండాలి) తద్వారా 2-3 వారాలు స్టోరేజ్ లైఫ్ పెంచవచ్చు
18	చేయకూడనివి	అధికముగా ప్రూనింగ్. దగ్గర దగ్గరగా మొక్కలు నాటడము మరియు రో నుంచి రో కి మధ్య తక్కువ దూరము
19	చేయవలసినవి	సరిపడిన నీటిని అందించండి. సరైన పక్వము దశలో (బాగా చిన్నవి లేదా అధిక పక్వమువి కావు) కోత కోయండి
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.	
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS | SEED PLANT SCIENCE

பாவக்காய் பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த பாவக்காய் விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். கிரிஸ்டல் நிறுவனம், உயர் தர பாவக்காய் விதைகள் தயாரிப்பில் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டுள்ளது இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு தாவரங்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் பாவக்காய் விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா சூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.
மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப்

கலப்பு பாவக்காய்	Hyb. ஹரித்வா, மோகினி, சூப்பர் மோகினி	84 K, Hyb. சாம்மா, Hyb. SPS-04, நந்தா, நானி, நானு	Hyb. ரம்யா, Hyb. சூப்பர் வைட், பெர்ல்	இந்தஸ்-கடாஹரி, SPS-கடாஹரி	பாட்ஷா, Hyb. சூப்பர் கிரீன், மகாராஜா	BT-11, திவ்யா, Hyb. டயானா, ஜான்வி						
காலம்	130-140 நாட்கள்	130-140 நாட்கள்	130-140 நாட்கள்	130-140 நாட்கள்	130-140 நாட்கள்	130-140 நாட்கள்						
கார்ப்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்						
ராபி	ஆம் (140-150)	ஆம் (140-150)	ஆம் (140-150)	ஆம் (140-150)	ஆம் (140-150)	ஆம் (140-150)						
வசந்த காலம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்						
பாசன ஆதாரம்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்						

வானிலை சூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/ விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	30-35°C வெப்பநிலை உள்ள ஒரு நீண்ட வெப்ப காலம் வளர்ச்சி மற்றும் பழ உருவாக்கத்திற்கு நல்லது. குறைந்தபட்ச வெப்பநிலை 18°C கீழ் செல்லக்கூடாது
2	நிலம்/ மண்	நீர் தேங்காத மணற்பாங்கான பசளை மற்றும் வண்டல் மண். மண்ணின் pH 5.5 முதல் 6.5 இருத்தல் நல்லது.
3	பருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	தெற்கு மற்றும் மத்திய இந்தியாவில் அக்டோபர்-நவம்பர் வரை. மகாராஷ்டிராவில் ஜனவரி-பிப்ரவரி/ஜூன்-ஜூலை மலை பகுதிகளில் ஏப்ரல்-மே
4	விதை வீதம்/ ஏக்கர்	ஏக்கருக்கு 750-800 கிராம்
5	விதைத்தல்/நாற்று நடும் முறை.	கால்வாய் முறை/ அடுக்கு முறை
6	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். * விதைப்பு கால்வாய்களை உருவாக்குங்கள் * விதைப்பு கால்வாய்களில் உரங்களின் அடி அளவை போட்டு உரத்தை மூடி விடுங்கள் * விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்கள் முன் நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். * ஒரு மேட்டுக்கு இரண்டு விதையை ஊன்ற வேண்டும், விரைவான மற்றும் சிறந்த முளைத்தலுக்கு உடனடியாக லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும்.
7	இடைவெளி	வரிசை முதல் வரிசை வரை (கால்வாய்) 180-200 செமீ; தாவரம் முதல் தாவரம் வரை: 45 செமீ-நிலம்.150 செமீ. வரிசைகளுக்கு இடையில் 30 செமீ தாவரங்களுக்கு இடையில் மூங்கில் குச்சிகளை அடுக்கி செங்குத்தாக தொங்க விட வேண்டும்.
8	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	கிலோகிராமுக்கு 2 கிராம் வீதம் விதைகளை காப்டான் உடன் கலக்க வேண்டும்
9	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்/ ஏக்கருக்கு	* விதைப்பதற்கு முந்தைய அடி உர அளவு : 30:40:40 கிலோ என்பிகே (NPK) * முதல் மேல் உரமிடுதல் விதைத்த 30 நாட்களுக்கு பின்: 30 கிலோ N * இரண்டாம் மேல் உரமிடுதல் முதல் நடவிற்கு பின் : 25 கிலோ N
10	பாசன அட்டவணை	மண்ணின் தன்மை பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்ச வேண்டும். 5-6 நாட்கள் இடைவெளியில் லேசான மற்றும் அடிக்கடி நீர் பாய்ச்ச வேண்டும். பூ, பழம் வைக்கும் நிலையில், வேர் பகுதியில் போதுமான ஈரப்பதம் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்
11	களை அகற்றுதல்/ ஊடு பயிரிடுதல்	இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த 30 மற்றும் 60 நாட்களுக்குப் பிறகு மண்ணை குவித்திடுங்கள்.
12	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	பிஞ்சு வைக்கும் நிலையில் லிட்டருக்கு 1 கிராம் மல்டிபிளக்ஸை (Multiplex) மற்றும் பூ வைக்கும் நிலையில் லிட்டருக்கு 1 கிராம் நுண்ணூட்டத்தை தெளிக்க வேண்டும்
13	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அல்லது குளோரோதலோனில் 75% டபிள்யுபி (WP) லிட்டருக்கு 1.0 மிலி அடிச்சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) இலை துளைப்பான்: அபாமெக்டின் 1.8% இசி (EC) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 மிலி), சிவப்பு பூசணி வண்டு: டெல்டாமெத்ரின் 5.56% w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) இலைப்பேன்கள் / செடிப்பேன்கள் : ∴ப்ளோனிகாமிட் 50% WG (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) பியூசேரியம் வாடல் நோய்: கார்பன்டாசிம்-இல் முக்கி எடுங்கள் (லிட்டருக்கு 1 கிராம்) பழ ஈ: பெரோமோன் டிராப்களைப் பயன்படுத்துங்கள். டெல்டா மெத்ரின் லிட்டருக்கு 1 மிலி நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.
14	அறுவடை	80-90 நாட்களில் பழங்கள் அறுவடைக்குத் தயாராகிவிடும். 3 நாட்களுக்கு ஒருமுறை சதைப்பற்றுள்ள பழங்களை அறுவடை செய்யுங்கள்.
15	எதிர்பார்க்கப்படும் மகசூல்	சாதகமான நிலைகளில், ஒரு நன்கு பராமரிக்கப்பட்ட பயிரில் இருந்து 10-15 டன் பழ மகசூலைப் பெறலாம்
17	சேமிப்பகம்	அதிகாலையில் அறுவடை செய்திடுங்கள். 5-7 நாட்களுக்குள் சந்தைப்படுத்த பழங்களை நிழலில் வைத்திடுங்கள். சேமிப்பக வாழ்நாளை 2-3 வாரங்கள் நீட்டிக்க, ஒரு குளிர்வான இடத்தில் சேமித்திடுங்கள் (12-13°C, 85-90% ஒப்பீட்டு ஈரப்பதம்)
18	செய்யக்கூடாதவை	அதிகப்படியான கத்தரித்தல். நாற்றுகளை மூடி வரிசைகளுக்கு இடையில் குறைந்த இடைவெளி விடுங்கள்.
19	செய்ய வேண்டியவை	போதுமான நீர் பாய்ச்சுங்கள். சரியான முதிர்வு நிலையில் அறுவடை செய்யுங்கள் (மிகவும் சிறிதாகவோ அல்லது அதிகம் பழுத்ததாகவோ இருக்கக்கூடாது)
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.	
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.	

ਕਰੇਲੇ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦਾ ਤਰੀਕਾ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਕਰੇਲੇ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਕਰੇਲੇ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਚੰਗਾ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕਰੇਲੇ ਦੇ ਬੀਜ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਅਜੈਵਿਕ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਸ਼ਕਤੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਕਰੇਲਾ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਹਰਿਤ੍ਰਾ' ਮੋਹਿਨੀ' ਸੁਪਰ ਮੋਹਿਨੀ	੮੪ ਕੇ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਛਮ੍ਮਾ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਏਸਪੀਏਸ -੦੪' ਨੰਦਾ' ਨਾਨੀ' ਨਾਨੂ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਰਾਮਜਾ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਸੁਪਰ ਵ੍ਹਾਇਟ' ਪਰ੍ਲ	ਇੰਡਸ-ਕਟਾਹੀ' ਏਸਪੀਏਸ -ਕਟਾਹੀ	ਬਾਦਸ਼ਾਹ' ਬਾਦਸ਼ਾਹ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਸੁਪਰ ਗ੍ਰੀਨ' ਮਹਾਰਾਜਾ	ਬੀਟੀ-੧੧' ਦਿਵਜਾ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਡਾਯਨਾ' ਜਾਨ੍ਹਵੀ						
ਮਿਆਦ	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS						
ਖ਼ਰੀਫ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ						
ਰਬੀ	ਹਾਂ (140-150)	ਹਾਂ (140-150)	ਹਾਂ (140-150)	ਹਾਂ (140-150)	ਹਾਂ (140-150)	ਹਾਂ (140-150)						
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ						
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ						

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤਰ/ਖੇਤੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	30-350C ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ ਵਾਲੇ ਲੰਬੇ ਗਰਮ ਦਿਨ ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਵਾਧੇ ਅਤੇ ਫਲ ਲੱਗਣ ਲਈ ਚੰਗੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਘੱਟੋ-ਘੱਟ ਤਾਪਮਾਨ 180C ਤੋਂ ਘੱਟ ਨਹੀਂ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।
2	ਜ਼ਮੀਨ/ਮਿੱਟੀ	ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਰੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਅਤੇ ਜਲੋੜ ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ। ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ Ph 5.5 ਤੋਂ 6.5 ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਆਦਰਸ਼ ਮਿੱਟੀ ਦਾ pH 5.5-6.5 ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਵਿੱਚ ਜਨਵਰੀ-ਫਰਵਰੀ/ਜੂਨ-ਜੁਲਾਈ। ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ ਅਪ੍ਰੈਲ-ਮਈ
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ/ਏਕੜ	750-800 ਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ
5	ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।	ਨਹਿਰ ਰਾਹੀਂ / ਥੰਮ੍ਹ ਲਗਾ ਕੇ
6	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	10 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਪਾਓ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਹਲ ਵਾਹੋ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਰਲ ਜਾਵੇ। * ਬੀਜ ਬੀਜਣ ਲਈ ਚੈਨਲ ਬਣਾਓ * ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਚੈਨਲਾਂ ਵਿੱਚ ਖਾਦ ਨੂੰ ਮੁੱਢਲੀ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਪਾਓ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਨਾਲ ਢੱਕ ਦਿਓ। * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। * ਹਰੇਕ ਵੱਢ 'ਤੇ ਦੋ ਬੀਜ ਬੀਜੋ ਅਤੇ ਤੁਰੰਤ ਥੋੜ੍ਹੇ ਜਿਹੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ, ਤਾਂ ਜੋ ਬੀਜ ਜਲਦੀ ਪੁੰਗਰ ਜਾਣ।
7	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਲਾਈਨ ਤੋਂ ਲਾਈਨ (ਚੈਨਲ) 180-200 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ; ਬੂਟਿਆਂ ਦੀ ਦੂਰੀ 45 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ - ਜ਼ਮੀਨ 'ਤੇ, ਕਤਾਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ 150 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ; ਬੂਟਿਆਂ ਦੀ ਦੂਰੀ 30 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ - ਬਾਂਸ ਦੇ ਡੰਡਿਆਂ ਨਾਲ ਉਪਰ ਵੱਲ ਵਧਾਓ
8	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬੀਜ 'ਤੇ ਕੈਪਟਨ 2 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਲ ਉਪਚਾਰ ਕਰੋ।
9	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ/ਏਕੜ	* ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ: 30:40:40 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ NPK * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਪਹਿਲੀ ਟਾਪ ਡ੍ਰੈਸਿੰਗ: 30 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ * ਪਹਿਲੀ ਵਾਢੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੂਜੀ ਟਾਪ ਡ੍ਰੈਸਿੰਗ: 25 ਕਿਲੋ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ
10	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। 5-6 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਨਿਯਮਤ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਜੜ੍ਹ ਖੇਤਰ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਕਾਫ਼ੀ ਨਮੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
11	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ	ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱਢਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ ਦਿਓ। 30 ਅਤੇ 60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱਟੀ ਭਰ ਦਿਓ।
12	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਫਲਾਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਦੌਰਾਨ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਮਲਟੀਪਲੈਕਸ ਅਤੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ
13	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਕਲੋਰੋਥੈਲੋਨਿਲ 75% WP 1.0 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਡਾਊਨੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਪੱਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਅਬਾਮੇਕਟਿਨ 1.8% EC (0.5-1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਰੈੱਡ ਪੰਪਕਿਨ ਬੀਟਲ ਲਈ: ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56 % w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਥ੍ਰਿਪਸ/ਏਫਿਡ ਲਈ: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਫਿਊਜ਼ੇਰੀਅਮ ਵਿਲਟ ਰੋਗ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕਾਰਬੈਂਡਾਜ਼ਿਮ (1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਨਾਲ ਕਰੋ ਫਲਾਂ ਦੀ ਮੱਖੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਫੇਰੋਮੋਨ ਜਾਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਡੈਲਟਾਮੇਥ੍ਰੀਨ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।
14	ਵਾਢੀ	ਫਲ 80-90 DAS ਵਿੱਚ ਵਾਢੀ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਤਿੰਨ ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਨਰਮ ਫਲ ਚੁਣੋ।
15	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਇੱਕ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਫ਼ਸਲ ਅਨੁਕੂਲ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ 10-15 ਟਨ ਫਲ ਦਿੰਦੀ ਹੈ।
17	ਸਟੋਰੇਜ	ਸਵੇਰੇ ਜਲਦੀ ਵਾਢੀ ਕਰੋ। ਫ਼ਸਲ ਨੂੰ ਛਾਂ ਵਿੱਚ ਰੱਖੋ ਅਤੇ 5-7 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ-ਅੰਦਰ ਵੇਚ ਦਿਓ। 2-3 ਹਫ਼ਤਿਆਂ ਤੱਕ ਸ਼ੈਲਫ ਲਾਈਫ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਠੰਢੀ ਜਗ੍ਹਾ (12-13°C, 85-90% ਨਮੀ) ਵਿੱਚ ਸਟੋਰ ਕਰੋ।
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਹੋਰ ਛਾਂਟੀ ਕਰਨਾ। ਬੂਟੇ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਦੇ ਨੇੜੇ ਲਗਾਉਣਾ ਅਤੇ ਕਤਾਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ ਘੱਟ ਦੂਰੀ ਰੱਖਣਾ
19	ਕੀ ਕਰੋ	ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ ਲੋੜੀਂਦਾ ਪਾਣੀ ਦਿਓ। ਪੱਕਣ ਦੇ ਸਹੀ ਪੜਾਅ 'ਤੇ ਵਾਢੀ ਕਰੋ (ਬਹੁਤ ਛੋਟੀ ਜਾਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪੱਕੀ ਨਾ ਹੋਵੇ)
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

CRYSTAL Inspiring Growth

I&B Seeds INDUS SEEDS

করলা- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উংকৃষ্ট করলার বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের করলা বীজগুলি উংপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উংপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের করলা বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উংকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।

অনুগ্রহ করে চমংকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড করলা	হাইব্রিড. হরিত্ভা, মোহিনী, সুপর মোহিনী	৮৪ কে, হাইব্রিড. ছন্মা, হাইব্রিড. এসপীএস-০৪, নংদা, নানী, নান্	হাইব্রিড. রাম্যা, হাইব্রিড. সুপর ভ্হাইট, পর্ল	ইংডস-কটাহী, এসপীএস-কটাহী	বাদশাহ, হাইব্রিড. সুপর গ্রীন, মহারাজা	বীটী-১১, দিভ্যা, হাইব্রিড. ডাযনা, জান্হভী						
সময়সীমা	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS						
খরিফ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ						
রবি	হ্যাঁ (140-150)	হ্যাঁ (140-150)	হ্যাঁ (140-150)	হ্যাঁ (140-150)	হ্যাঁ (140-150)	হ্যাঁ (140-150)						
বসন্ত	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ						
সেচের উৎস	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল						

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার উপযোগিতা/ কৃষি-জলবায়ু জোন	30-350সেন্টিগ্রেড তাপমাত্রার সঙ্গে দীর্ঘ উষ্ণ সময়কাল বিকাশ এবং ফল ধরার জন্য উপযুক্ত। ন্যূনতম তাপমাত্রা 180সেন্টিগ্রেডের নিচে হওয়া উচিং
2	জমি/ মাটি	ভালো নিকাশীযুক্ত বালুকাময় মাটি এবং তীরবর্তী মাটি। মাটির 5.5 থেকে 6.5 Ph আদর্শ।
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	দক্ষিণ এবং মধ্য ভারতে অক্টোবর-নভেম্বর। মহারাষ্ট্রতে জানুয়ারি-ফেব্রুয়ারি/জুন-জুলাই। পাহাড়ি এলাকায় এপ্রিল-মে
4	বীজের হার/ একর	750-800 গ্রাম/ একর
5	বপন/রোপণের পদ্ধতি।	নালা পদ্ধতি/ খুঁটি দেওয়ার পদ্ধতি
6	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটিতে মেশানোর জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগের পর হ্যারোয়িং করুন। * বীজ বপনের জন্য নালা তৈরি করা * বীজ বপনের নালায় বেসাল ডোজ প্রয়োগ করুন এবং সার ঢেকে দিন * বীজ বপনের দুই দিন আগে মাঠে জল দিন। * প্রতিটি টোপে দুইটি বীজ বপন করুন, এরপর দ্রুত এবং ভাল অঙ্কুরোদগমের জন্য হালকা সেচ করুন।
7	ফাঁক	সারি থেকে সারি (নালা) 180-200 সেন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 45 সেন্টিমিটার- মেঝে.সারির মাঝে 150 সেন্টিমিটার উদ্ভিদের মাঝে 30 সেন্টিমিটার-বাঁশের খুঁটিতে গাছ বাঁধুন এবং উল্লম্বভাবে ট্রেল করুন
8	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজ কাপটান 2 গ্রাম/কেজি সহ প্রক্রিয়াজাত করা হয়
9	জৈব এবং রাসায়নিক সার/ একর	* বপনের আগে বেসাল ডোজ: 30:40:40 কেজি NPK * বপনের 30 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 30কেজি N * প্রথম তোলার পর দ্বিতীয় শীর্ষ ড্রেসিং: 25 কেজি N
10	সেচের সময়সূচী	মাটির ধরন অনুযায়ী মাঠে সেচ করুন। প্রতি 5-6 দিনে একবার হালকা এবং ঘন ঘন সেচ করুন। মূল জোনে পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত করুন বিশেষ করে ফুল ফোটা এবং ফল ধরার সময়
11	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামুক্ত রাখুন। বপনের 30 এবং 60 দিন পর মাটি তুলুন।
12	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	ফল ধরার পর্যায়কালে মাল্টিপ্লেক্স 1 গ্রাম/লিটার ছিটান ফুল ফোটার সময় 1 গ্রাম/লিটার মাইক্রোনিউট্রিয়েন্ট
13	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাউডারি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) অথবা ক্লোরোথালোনিল 75% WP 1.0 মিলিলিটার/লিটার ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) লিফ মাইনার: আবামেক্টিন 1.8% EC (0.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার), লাল কুমড়োর পোকা: ডেল্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) থ্রিপস /এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) ফিউজেরিয়াম উইল্ট: কারবেনডাজিম দিয়ে ড্রেঞ্চ করুন (1গ্রাম/লিটার) ফলের মাছি: ফেরোমোন ট্র্যাপ ব্যবহার করুন। ডেল্টা মেথ্রিন 1মিলিলিটার/লিটার ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।
14	ফসল কাটা	80-90 DAS তে ফসল কাটার জন্য ফলগুলি প্রস্তুত। নরম ফল প্রতি 3 দিনে একবার কেটে নিন।
15	প্রত্যাশিত ফলন	উন্নতভাবে পরিচালিত ফসল থেকে আদর্শ শর্তে 10-15 t ফল উংপাদন হয়
17	সংরক্ষণ	ভোরবেলা ফসল কাটুন। বাজারজাত করতে 5-7 দিনের মধ্যে এটিকে ছায়ায় রাখুন। সংরক্ষণ জীবন 2-3 সপ্তাহ পর্যন্ত বর্ধিত করতে একটি ঠান্ডা স্থানে সংরক্ষণ করুন (12-13°C, 85-90% আপেক্ষিক আর্দ্রতা)
18	করবেন না	অত্যধিক ছাঁটাই। ঘন বপন এবং সারি থেকে সারির কম দূরত্ব
19	করবেন	পর্যাপ্ত সেচ প্রদান করুন। সঠিক পাকা অবস্থায় ফল তুলুন (অতি ছোট অথবা অতি পাকা নয়)
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে	

CRYSTAL Inspiring Growth

I&B Seeds INDUS SEEDS

କଲରା-ଅଭ୍ୟାସର ପ୍ୟାକେଜ୍

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ ପରିବାରରୁ ସବୁଠାରୁ ଭଲ କଲରା ବିହନ ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଉଚ୍ଚମାନର କଲରା ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ଅଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର କଲରା ବିହନ ଜୈବିକ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୀକରଣ ଏବଂ ଉତ୍ତମ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରେ।

ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

କଲରା ହାଇବ୍ରିଡ୍	Hyb. ହରିଥ୍, ମୋହିନୀ, ସୁପର୍ ମୋହିନୀ	84 K, Hyb. ଛମ୍ପା, Hyb. SPS-04, ନନ୍ଦ, ନାନୀ, ନାନୁ	Hyb. ରାମ୍ୟା, Hyb. ସୁପର୍ ହ୍ୱାଇଟ୍, ପର୍ଲ	ଇଣ୍ଡସ୍-କଟହି, SPS-କଟହି	ବାଦଶାହା, Hyb. ସୁପର୍ ଗ୍ରୀନ୍, ମହାରାଜା	BT-11, ଦିବ୍ୟ, Hyb. ଡାଏନା, ଜାହ୍ନବୀ						
ଅବଧି	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS						
ଖରିପ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ						
ରବି	ହଁ (140-150)	ହଁ (140-150)	ହଁ (140-150)	ହଁ (140-150)	ହଁ (140-150)	ହଁ (140-150)						
ବସନ୍ତ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ						
ଜଳସେଚନର ଉତ୍ସ	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍						

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	30-35°C ସେଲସିୟସ୍ ତାପମାତ୍ରା ସହିତ ଏକ ଲମ୍ବା ଉଷ୍ମ ସମୟ ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଫଳ ସ୍ଥାପନ ପାଇଁ ଭଲ। ସର୍ବନିମ୍ନ ତାପମାତ୍ରା 18°C ସେଲସିୟସରୁ କମ୍ ହେବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ।
2	ଭୂମି/ ମାଟି	ଭଲ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହେଉଥିବା ବାଲିଆ ଦୋରସା ଏବଂ ପଡିଆ ମାଟି। ମାଟିର ପିଏଚ 5.5 ରୁ 6.5 ଆଦର୍ଶ ରହିବ।
3	ଋତୁ ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସମୟ	ଦକ୍ଷିଣ ଏବଂ ମଧ୍ୟ ଭାରତରେ ଅକ୍ଟୋବର-ନଭେମ୍ବର ମାସରେ। ମହାରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଜାନୁଆରୀ-ଫେବୃଆରୀ/ଜୁନ୍-ଜୁଲାଇ। ପାହାଡ଼ିଆ ଅଞ୍ଚଳରେ ଏପ୍ରିଲ-ମେ ମାସରେ
4	ବିହନ ହାର / ଏକର	750-800 ଗ୍ରାମ/ଏକର
5	ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	କେନାଲ ପଦ୍ଧତି / ଷ୍ଟେକିଂ ପଦ୍ଧତି ଦ୍ୱାରା
6	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	10 ଟନ୍ ପଚିଯାଇଥିବା ଏଫ.ୱାଇ.ଏମ୍ (FYM) ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ତା'ପରେ ମାଟିରେ ମିଶ୍ରଣ ପାଇଁ ହାରୋଇଂ କରନ୍ତୁ। * ବିହନ କେନାଲ ତିଆରି କରନ୍ତୁ * ବିହନ କେନାଲରେ ସାରର ମୂଳ ମାତ୍ରା ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ସାର ଘୋଡାଇ ଦିଅନ୍ତୁ। * ବୁଣିବାର ଦୁଇ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। * ପ୍ରତି ପାହାଡ଼ରେ ଦୁଇଟି ବିହନ ବୁଣନ୍ତୁ, ଶୀଘ୍ର ଏବଂ ଭଲ ଅଙ୍କୁର ପାଇଁ ତୁରନ୍ତ ହାଲୁକା ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ।
7	ବ୍ୟବଧାନ	ଧାଡିରୁ ଧାଡି (କେନାଲ) 180-200 ସେମି; ଗଛରୁ ଗଛ: 45 ସେମି-ଭୂମି. ଧାଡି ମଧ୍ୟରେ 150 ସେମି. ଗଛ ମଧ୍ୟରେ 30 ସେମି. ବାଉଁଶ ଖୋଳ ସହିତ ଏବଂ ଭୂଲମ୍ବ ଭାବରେ ପଛକୁ ଲଗାଯାଇଥିବା
8	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	ବିହନକୁ କ୍ୟାପାଟାନ୍ 2 ଗ୍ରାମ/କିଗ୍ରା ସହିତ ବିଶୋଧନ କରାଯାଏ।
9	ଖତ ଏବଂ ସାର/ଏକର	* ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ମୂଳ ମାତ୍ରା : 30:40:40 କିଲୋଗ୍ରାମ ଏନପିକେ (NPK) * ବୁଣିବାର 30 ଦିନ ପରେ ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂ: 30 କିଲୋଗ୍ରାମ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ * ପ୍ରଥମ ଥର ପାଇଁ ବାଛିବା ପରେ ଦ୍ୱିତୀୟ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂ : 25 କିଲୋଗ୍ରାମ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ
10	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। 5-6 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ ହାଲୁକା ଭାବରେ ତଥା ବାରମ୍ବାର ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। ବିଶେଷକରି ଫୁଲ ଫଳ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ମୂଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ପରିମାଣର ଆର୍ଦ୍ରତା ରହୁଛି ତାହା ସୁନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ।
11	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତଃଚାଷ	ଦୁଇ ଥର ହାତରେ ଘାସ ବାଛିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ରଖନ୍ତୁ। ବୁଣିବାର 30 ଏବଂ 60 ଦିନ ପରେ ମାଟି ଉଠାଇବା ଦରକାର।
12	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ଫଳ ଦେବା ଅବସ୍ଥାରେ ମଲ୍ଟିପ୍ଲେକ୍ସ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର, ଫୁଲ ଫୁଟିବା ସମୟରେ ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ।
13	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ଡାଉନି ମିଲଡ୍ୟୁ : ଟେବୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ 25% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) କିମ୍ବା କ୍ଲୋରୋଥାଲୋନିଲ 75% ଡବ୍ଲ୍ୟୁପି (WP) 1.0 ମିଲି/ଲିଟର ଡାଉନି ମିଲଡ୍ୟୁ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ 25% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ପତ୍ର ଖନନକାରୀ: ଆବାମେକ୍ଟିନ୍ 1.8% ଇସି (EC) (0.5 ରୁ 1 ମିଲି/ଲିଟର), ଲାଲ କଖାରୁ ପୋକ: ଡେଲଟାମେଥ୍ରିନ୍ 5.56% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ (w/w) ଏସସି(SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ଥ୍ରିପ୍ସ / ଏଫିଡ୍ସ: ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ୍ 50% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଫୁସାରିଅମ୍ ୱିଲ୍ଟ (ଝାଉଳା ରୋଗ): କାର୍ବେଣ୍ଡାଜିମ୍ (1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ସହିତ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ ଫଳ ମାଛି: ଫେରୋମୋନ୍ ଫାଶ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ। ଡେଲ୍ଟା ମିଥ୍ରିନ୍ 1 ମିଲି/ଲିଟର କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।
14	ଅମଳ	ଫଳଗୁଡିକ 80-90 ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ଅମଳ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଥାଏ। ପ୍ରତି 3 ଦିନରେ ଥରେ କୋମଳ ଫଳଗୁଡ଼ିକୁ ଅମଳ କରନ୍ତୁ।
15	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଭଲ ଭାବରେ ପରିଚାଳିତ ଫସଲରୁ 10-15 ଟନ୍ ଫଳ ମିଳିଥାଏ।
17	ସଂରକ୍ଷଣ	ସକାଳେ ଶୀଘ୍ର ଅମଳ କରନ୍ତୁ। ଏହାକୁ 5-7 ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ବଜାରରେ ବିକ୍ରୟ କରିବା ପାଇଁ ଛାଇରେ ରଖନ୍ତୁ। 2-3 ସପ୍ତାହ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସଂରକ୍ଷଣ ଜୀବନ ବୃଦ୍ଧି କରିବା ପାଇଁ ଏକ ଥଣ୍ଡା ସ୍ଥାନରେ (12-13°C, 85-90% ଆପେକ୍ଷିକ ଆର୍ଦ୍ରତା) ସଂରକ୍ଷଣ କରି ରଖନ୍ତୁ।
18	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ଅତ୍ୟଧିକ କାଟଛାଣ୍ଟ। ପାଖାପାଖି ରୋପଣ ଏବଂ ଧାଡିରୁ ଧାଡି ମଧ୍ୟରେ କମ୍ ବ୍ୟବଧାନ
19	କରନ୍ତୁ	ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ପାଣି ଯୋଗାଇ ଦିଅନ୍ତୁ। ଠିକ୍ ପରିପକ୍ୱତା ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଅମଳ କରନ୍ତୁ (ଅତ୍ୟଧିକ ଛୋଟ କିମ୍ବା ଅଧିକ ପାଚିଲା ପରେ ନୁହେଁ)
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

বিটাৰগ'ৰ্ড- অনুশীলনৰ পেকেজ

অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ শ্ৰেষ্ঠতম বিটাৰ ক'ৰ্ড বীজ বাছনি কৰিছে। ক্ৰিষ্টেলৰ উচ্চ মানৰ বিটাৰ গার্ড বীজ উৎপাদনত সুদৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ বিটাৰ গার্ডৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অঙ্কুৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে।
অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

বিটাৰ গার্ড হাইব্ৰিড	হাইব্ৰিড. হৰিত্ভা, মোহিনী, সুপৰ মোহিনী	৮৪ কে, হাইব্ৰিড. ছম্মা, হাইব্ৰিড. এসপীএস-০৪, নংদা, নানী, নানু	হাইব্ৰিড. ৰাম্যা, হাইব্ৰিড. সুপৰ ভ্হাইট, পর্ল	ইংডস-কটাহী, এসপীএস-কটাহী	বাদশাহ, বাদশাহ, হাইব্ৰিড. সুপৰ গ্ৰীন, মহাৰাজা	বীটী-১১, দিভ্যা, হাইব্ৰিড. ডায়না, জান্হভী	
সময়কাল	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	130-140 DAS	
খাৰিফ	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	
ৰাবি	হয় (140-150)	হয় (140-150)	হয় (140-150)	হয় (140-150)	হয় (140-150)	হয় (140-150)	
বসন্ত	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	
জলসিঞ্চনৰ	ব'ৰৱেল	ব'ৰৱেল	ব'ৰৱেল	ব'ৰৱেল	ব'ৰৱেল	ব'ৰৱেল	

অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্ৰমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য্য/অনুশীলন	কার্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/ কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	30-350°C তাপমাত্ৰাৰ দীঘলীয়া উষ্ণ সময় বৃদ্ধি আৰু ফলৰ বাবে ভাল। ন্যূনতম তাপমাত্ৰা 180°C ৰ তলৰ হ'ব নালাগে
2	ভূমি/ মাটি	ভালদৰে খালী বালিৰ মাটি আৰু জলাশয়ৰ মাটি। মাটিৰ ph 5.5ৰ পৰা 6.5 আদর্শ।
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়	অক্টোবৰ-নৱেম্বৰ দক্ষিণ আৰু মধ্য ভাৰততে। জানুৱাৰী-ফেব্রুৱাৰী/জুন-জুলাই মহাৰাষ্ট্ৰত। এপ্রিল - মে' পাহাৰীয়া অঞ্চলত
4	বীজৰ হাৰ/ একৰ	গ্ৰাম/ একৰ
5	বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি	কেনেল পদ্ধতি/ ষ্টিকিং পদ্ধতিৰ দ্বাৰা
6	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিঘ্নিত FYM প্ৰয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাটিত মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰভিং কৰক। * বীজ সিঁচাৰ পথ তৈয়াৰ কৰক * বীজ সিঁচাৰ পথাৰত মৌলিক পৰিমাণৰ সাৰ প্ৰয়োগ কৰক আৰু সাৰক ঢাকি ৰাখক * বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। * প্ৰতিডাল বীজত দুটাকৈ ডাবল দিয়ক, দ্ৰুত আৰু উন্নত বীজানুৰ বাবে তৎক্ষণাৎ হালধীয়া জলসিঞ্চন কৰক।
7	ব্যৱধান	শাৰীৰে শাৰীলৈ (কেনেল) 180-200 ছেঃমিঃ; গছ-গছনি: 45 ছেঃমিঃ মাটি-150 ছেঃমিঃ শাৰীৰে শাৰী 30 ছেঃমিঃ গছ-গছনিৰ মাজত বাঁহ-গছনিৰ দ'ম ব্যৱহাৰ কৰা হয় আৰু উল্লম্বভাৱে ট্ৰেল কৰা হয়
8	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজক কেপ্টান 2 গ্ৰাম/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।
9	সাৰ আৰু সাৰুৰা দ্ৰব্য/ একৰ	* বীজ সিঁচাৰ আগতে প্ৰাথমিক পালিg : 30:40:4 কেজি NPK * বীজ সিঁচাৰ 30 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীর্ষ কাপোৰ: 30 কেজি N * প্ৰথম পিকৰ পিছত দ্বিতীয় টপ ড্ৰেছিং: 25 কেজি N
10	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	মাটিৰ প্ৰকাৰৰ ওপৰত নির্ভৰ কৰি পথাৰখন হালধীয়া আৰু সঘনাই 5-6 দিনৰ ব্যৱধানত এবাৰকৈ জলসিঞ্চন কৰা উচিত। বিশেষভাৱে ফুল ফলৰ সময়ত মূল অঞ্চলত পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত কৰক
11	অপতৃণ/ আন্তঃখেতি	দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। বীজ সিঁচাৰ পিছত 30 আৰু 60 দিনত মাটি লগোৱা।
12	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰক স্প্ৰে	ফলনশীলতা পর্যায়ত স্প্ৰে মাল্টিপ্লেক্স 1 গ্ৰাম/লিটাৰ ফুলনশীলতা পর্যায়ত ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি 1 গ্ৰাম/লিটাৰ
13	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	102 পাউডাৰী মিল্ডিউ: টেবুকোনাজোল 50% + ট্ৰাইফ্লক্সিষ্ট্ৰ'বিন 25% WG (লিটাৰ প্ৰতি 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) বা ক্লৰ'থালোনিল 75% WP 1.0 মিলি/লিটাৰ ডাউনি মিল্ডিউ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লক্সিষ্ট্ৰবিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) পাতৰ খনিজ: এবামেক্টিন 1.8% EC(0.5ৰ পৰা 1 মিলি/লিটাৰ), ৰঙা কুমলীয়া ভেকুলী: ডেলটামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) থ্রিপছ /এফিড : ফ্লনিকমিড 50 % WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) ফুচেৰিয়াম উইল্ট: কার্বেণ্ডাজিমৰ সৈতে ড্রেঞ্চ কৰক (1গ্ৰাম/লিটাৰ) ফলৰ মাখি: ফেৰ'মন ফান্দ ব্যৱহাৰ কৰক। ডেল্টা মিথ্রিন 1 মিলি/লিটাৰ পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
14	শস্য চপোৱা	শস্য চপোৱাৰ বাবে প্ৰস্তুত ফল 80-90 DAS। 3 দিনত এবাৰ কোমল ফল সংগ্ৰহ কৰক।
15	প্ৰত্যাশিত উৎপাদন	ভালদৰে পৰিচালিত শস্যৰ পৰা আদর্শ পৰিস্থিতিত 10-15 টন ফল উৎপন্ন হয়
17	সংৰক্ষণ	পুৱা সোনকালে শস্য চপোৱা। 5-7 দিনৰ ভিতৰত বজাৰত মুকলি কৰাৰ বাবে ছাঁত ৰাখিব। সতেজ স্থানত (12-13°C, 85-90% আপেক্ষিক আর্দ্রতা) সংৰক্ষণ কৰিব লাগে যাতে 2-3 সপ্তাহলৈ সংৰক্ষণৰ সময় বৃদ্ধি হয়।
18	নকৰিবা	অতিৰিক্ত ছাঁচনির্মাণ ঘনিষ্ঠ ৰোপণ আৰু শাৰী-শাৰী মাজত কম ব্যৱধান
19	কৰিবা	পর্যাপ্ত পানী যোগান ধৰক। সঠিক পৰিপক্কতা পর্যায়ত শস্য চপোৱা (অতি সৰু বা অতি পকা নহয়)
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামর্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পর্কিত বিশেষ পৰামর্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৰিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামর্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	